



वफ़ा या हवस-3

“मैंने पहले शैलीन की पैंटी उतारी फिर उसकी मैक्सी ! मैंने अपने भी पूरे कपड़े उतार दिए । अब हम दोनों पूरी तरह से नंगे 69 की अवस्था में लेट गए, मैंने अपना लण्ड उसके मुँह में डाल दिया !...”

Story By: nabbu khan (nabbukhan_24)

Posted: Saturday, May 17th, 2008

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [वफ़ा या हवस-3](#)

वफ़ा या हवस-3

शैलीन भी मेरी ओर पलट गई उसने एक हाथ मेरे गाल पर रखा और कहा- नब्बू, आज मुझे औरत होने सुख दो ! मैं बहुत प्यासी हूँ !

इतना कहकर वो मेरे ऊपर आ गई और मुझे चूमने लगी ।

मैंने उसे बाहों में लिया और पलट गया । अब वो मेरे नीचे थी और मैं उसके ऊपर !

मैंने अपने होंट उसके नाजुक गुलाबी-गुलाबी होंटों पर रख दिए और चुम्बन करने लगा । एक हाथ से उसकी चिकनी-चिकनी जांघों को सहलाने लगा ।

शैलीन ने दोनों हाथों से मुझे कस के पकड़ लिया ! हम दोनों पहले से ही गर्म थे इसलिए हमें ज्यादा समय नहीं लगने वाला था !

मैंने पहले शैलीन की पैंटी उतारी फिर उसकी मैक्सी ! मैंने अपने भी पूरे कपड़े उतार दिए । अब हम दोनों पूरी तरह से नंगे हो चुके थे !

शैलीन और मैं 69 की अवस्था में लेट गए, मैंने अपना लण्ड उसके मुँह में डाल दिया और अन्दर-बाहर करने लगा ! मेरे लण्ड को उसके नाजुक-नाजुक होंटों और जीभ का स्पर्श होने से मेरा नशा और मजा दुगुना हो रहा था ! मैं सातवें आसमान की सैर कर रहा था !

मैंने भी अपनी जीभ उसकी चूत में डाल कर उसे रगड़ने लगा था ! मैं पहली बार किसी की चूत चाट रहा था, उसकी चूत का खारा पानी ! आह..ह..ह क्या मजा आ रहा था !

हम दोनों जरूरत से ज्यादा गर्म और उतावले हो चुके थे ।

फिर मैं सीधे शैलीन के ऊपर लेट गया और उसके दोनों चुचूकों को पकड़ कर इकट्ठे चूसने लगा, अचानक मेरा ध्यान नाईट लैम्प के पास रखी शहद की बोतल पर गया। मैंने बोतल उठाई, खोली और थोड़ा शहद अपने लण्ड पर गिराया और थोड़ा शहद उसके दोनों स्तनों और चूत पर गिराया!

शैलीन समझदार थी, वो समझ गई थी कि उसे क्या करना है? वो मेरे लण्ड को मुँह में लेकर शहद चूसने लगी और मैं भी उसके बदन पर लगे शहद को चाटने लगा!

शैलीन बोलने लगी- आहह! बहुत मजा आ रहा है इसमें!

मैंने भी पहले चूचियाँ फिर चूत को चाट-चाट कर पूरा साफ़ कर दिया।

अब मैंने शैलीन को लिटा दिया और उसके ऊपर आकर दोनों टाँगें फैला दी, मैं उसकी दोनों टाँगों के बीच में बैठ गया अपना लण्ड जैसे ही चूत के छेद में रख कर धकेला,

‘मम्मी..ई मम्मी.ई..ई... ई...ई!’ कहते हुए वो झट से सरक गई और दोनों हाथों से अपनी चूत पकड़ कर टाँगें सिकोड़ ली और करवट ले कर रोने लगी!

मैंने उसे अपनी तरफ खींचा और कहा- दर्द को भूल जाओ शैलीन! फिर देखो, कितना मजा आता है!

मैंने शैलीन को सीधा किया और फिर वैसे ही उसकी टाँगों के बीच में आ गया! इस बार मैंने शैलीन को अपनी बाहों में जकड़ लिया और अपना लण्ड उसकी चूत पर रखा और कहा- शैलीन, शुरू करूँ? शैलीन- लेकिन प्लीज़, धीरे करना, तुम तो जानते ही होंगे कि मुझे अर्जुन ने कभी नहीं किया है!

जैसे ही शैलीन ने अपनी बात खत्म की, मैंने जोर के धक्का मारा और मेरा लण्ड आधा

अन्दर जा चुका था।

शैलीन छटपटाने लगी।

मैंने और कस कर शैलीन को पकड़ लिया और अंधा-धुंध धक्के पर धक्के मारने लगा।

शैलीन छटपटा रही थी, चिल्ला रही थी- मैं मर जाऊँगी! आराम से! मम्मी! नब्बू छोड़ दो! मेरे बर्दाश्त के बाहर हो रहा है!

लेकिन मैं कहाँ मानने वाला था, मैं तो चालू ही था! यों तो मैंने न जाने कितनी ही चुदाई की थी लेकिन इतना मजा पहले कभी नहीं आया था। मैं अपनी पूरी ताकत लगा कर धक्के लगा रहा था, साथ में पूरा बेड भी चिर-चिर की आवाज करते हुए हिल रहा था!

शैलीन पूरा पसीने से भीग गई थी लेकिन मैं था कि रुकने का नाम ही नहीं ले रहा था! थोड़ी देर के बाद शैलीन का दर्द भी कम होने लगा था, वो भी अपने कूल्हे उठा-उठा कर मेरा साथ देने लगी थी।

अब मेरा मजा दुगुना हो गया था, सो मैंने शैलीन को अपनी बाहों से आजाद कर दिया और उसके दोनों चुचूक को एक साथ मुँह में लेकर चूसने लगा।

मेरे सर पे तो शराब और शबाब का तो जैसे जुनून सवार था! हम दोनों ही अपनी जवानी भरपूर मजा ले रहे थे!

मैं उसे जी भर चोदना चाहता था क्योंकि शैलीन जैसी चीज को मैंने पहले कभी नहीं चोदा था! मैंने सोचा कि क्यों ना चोदने का कोई नया तरिका अपनाया जाये जो मैंने पहले कभी ना किया हो!

बेडरूम में एक चार फ़ीट की अलमारी थी, मैंने उसे दोनों हाथों से अलमारी पकड़ कर घोड़ी

बनने को कहा ।

वो झुक कर घोड़ी बन गई और मैं उसके पीछे आ गया, उसकी गोरी-गोरी गाण्ड देखकर तो मुझे और भी नशा आ रहा था !

मैंने उसकी एक टांग उठा कर अपने कंधे पर रख ली, इस तरह से उसकी चूत का मुँह पूरा खुल गया था । अब मैंने उसकी कमर को पकड़ कर अपना लण्ड उसकी चूत में दनदनाते हुए पूरा अन्दर तक डाल दिया और दनादन धक्कामपेल करने लगा ।

शैलीन के मुँह से बस 'आह..ह धीरे करो आह..ह..ह' की आवाज आ रही थी ।

मैं इतनी जोर के धक्के लगा रहा था कि शैलीन के पूरे जिस्म के साथ-साथ वो अलमारी भी हिल रही थी ।

इतने में शैलीन ने अपना पानी छोड़ दिया और चूत पूरी गीली हो गई थी और मेरा लण्ड भी ! जिसकी वजह से मेरा मजा किरकिरा हो रहा था ।

मैंने उसे फिर बाहों में उठाया और बेड पर उल्टा लिटा दिया और उसकी दोनों टांगों को खींच कर बेड के नीचे कर दिया जिससे कि उसकी गांड का '0' जैसा छेद साफ़ दिखाई दे रहा था ।

मैंने पीछे से उसके दोनों बगल में हाथ डाल के शैलीन को कस कर पकड़ लिया, मेरा लण्ड तो पहले से ही शैलीन के रज से गीला था, मैंने अपना लण्ड शैलीन की गांड पर रखा और उसका मुँह तिरछा करके उसके दोनों नाजुक होंटों को अपने दांतों से पकड़ लिया और एक जोर के झटका लगाया । मेरा आधा लण्ड उसकी गांड में चला गया !

बस फिर क्या था ?

शैलीन तड़पने लगी थी, लेकिन मैंने उसे ऐसा पकड़ा था कि वो छूट ही नहीं सकती थी ! मैंने गति और तेज कर दी और पूरी ताकत और रफ़्तार के साथ धक्के पर धक्के मारने लगा । मैंने आज तक ना तो ऐसी चूत चोदी थी और ना ही ऐसी गांड और ना ही इतना मजा आया था पहले कभी !

मैंने तब तक धक्के मारे जब तक मेरा पानी नहीं निकला । मैंने अपना सारा पानी शैलीन की गाण्ड में ही छोड़ दिया और उसकी बगल आ कर लेट गया ।

हम दोनों की सांसें जोर-जोर से चल रही थी और दोनों पसीने से पूरे भीग गए थे । मैंने देखा की शैलीन को जरूरत से ज्यादा ही कमजोरी आ रही थी, उसका पूरा शरीर प्रतिरोध करने से लाल हो गया था ।

रात के दो बज रहे थे, मैंने शैलीन को पानी दिया और आराम से सोने के लिए कहा । शैलीन अपने दोनों हाथों से मुझे पकड़ कर उसी बेड पर लेट गई !

हम दोनों नंगे ही थे ! मुझे कब नींद आई पता ही नहीं चला ।

दूसरे दिन (दोपहर को तीन बजे जो मुझे पता ही नहीं था) मेरी नींद खुली, मेरा सर जोर से दर्द हो रहा था मानो कि सर फट रहा हो !

मैं अभी भी नंगा ही था और मेरे कपड़े वहाँ से गायब थे ! इतने में शैलीन आई मैंने उसे देखते ही रजाई ओढ़ ली ! उसने काले रंग का गाऊन पहना था ।

शैलीन (मुस्कराते हुए)- अब क्यों इतना शरमा रहे हो ?

मैं- न.न..नहीं भाभी ! वो मैंने कपड़े नहीं पहने हैं ना !

शैलीन- वो मैंने धो दिए, अभी सूखने हैं ! कोई बात नहीं ! मैं अर्जुन के कपड़े ला देती हूँ !

कहते हुए वो चली गई।

पांच मिनट के बाद शैलीन वापस आई और उसके हाथ में कपडे थे!
‘ये लो’ मुझे देते हुए!

मैंने जैसे हाथ आगे बढ़ाया शैलीन अपने हाथ पीछे कर लिए!

मैं- यह क्या भाभी ?

शैलीन- वादा करो कि आज के बाद तुम मुझे सिर्फ शैलीन कहोगे ?

मैं- ठीक है!

वैसे भी शैलीन बहुत जिद्दी थी।

शैलीन- जल्दी से फ्रेश हो जाओ!

मैं- क्यों भाभी ?

शैलीन- फिर भाभी ?

मैं- सारी शैलीन, लेकिन क्यों ?

शैलीन- सरप्राइज़ है तुम्हारे लिए!

कहानी के कई भाग हैं! पढ़ते रहिए!

nabbukhan_24@yahoo.in

Other stories you may be interested in

साली ने घरवाली का सुख दिया

मेरी पिछली कहानी मेरी पहली गांड की चुदाई पड़ोसी अंकल के साथ आपने पढ़ी. मैं आज एक और नई कहानी के साथ उपस्थित हूँ, आशा करता हूँ कि मेरी कहानी आप लोगों को ज़रूर पसंद आएगी, आज मैं मेरी और [...]

[Full Story >>>](#)

स्पा वाली चिकनी लड़की की चुदाई

मेरा नाम सैम है और मैं इंदौर का रहने वाला हूँ. गोपनीयता की वजह से मैंने इस कहानी में नाम बदल दिये हैं. अन्तर्वासना की कहानियां पढ़ते हुए मुझे काफी समय हो गया है. मेरे मन में कई बार ये [...]

[Full Story >>>](#)

चिकनी चाची और उनकी दो बहनों की चुदाई-11

दोस्तो, मैं आपका साथी जीशान ... इस कहानी का अंतिम भाग लेकर आपके सामने आ गया हूँ. इस चुदाई की कहानी में आपने ढेर सारी चुदाइयों का आनन्द लिया है ... अब अंतिम भाग में जबरदस्त चुदाई का मंजर आपके [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी सील टूटने वाली चुदाई की कहानी

मेरे प्रिय दोस्तो, नमस्कार! मैं इस साइट की नियमित पाठिका हूँ. मैं मथुरा जिले की रहने वाली हूँ और मेरा नाम मीशी है. मैं आप लोगों से अपने सेक्स का पहला अनुभव शेयर करना चाहती हूँ. ये बात तब की [...]

[Full Story >>>](#)

भतीजी ने मेरा लंड लिया

प्यारे दोस्तो, मेरा नाम समीर है और मैं मुम्बई में जॉब करता हूँ. मेरी उम्र 40 साल है मगर मेरी बाँडी काफी हद तक फिट है और कहीं से भी मेरी शेप बिगड़ी नहीं हुई है. मेरा पेट भी नहीं [...]

[Full Story >>>](#)

